

कोरोनावायरस

हम क्या जानते हैं और क्या नहीं जानते

दिसंबर, 2019 में चीन के वुहान शहर से निकली एक नई बीमारी से जुड़ी खबर ने हड़कंप मचा दिया। सूचनाएं मिलने लगीं कि इस बीमारी से संक्रमित लोगों की संख्या तेज़ी से बढ़ रही है। कोरोनावायरस से पैदा हुई इस बीमारी को 2019-nCoV नाम दिया गया। इसने जंगल की आग की तरह बहुत तेज़ी से दुनिया के तमाम देशों को अपनी चपेट में ले लिया। इस संक्रमण से लाखों लोग बीमार हो गए और हज़ारों की संख्या में लोगों की मौत हो गयी।

सूचनाएं मिलने लगीं कि कोरोनावायरस बहुत तेज़ी से अपना रंग-रूप बदल रहा है तो लोगों के माथे पर बल पड़ने लगे। लेकिन इन सबके बीच सबसे पहले यह समझ लिया जाए कि हम इस वायरस के बारे में क्या जानते हैं और हमारे या आपके लिए इसका क्या मतलब है। अब चूंकि हम इस वायरस के बारे में ज्यादा कुछ नहीं जानते, लिहाजा हेल्थकेयर के महारथी, जन स्वास्थ्य अधिकारी और वैज्ञानिक इसके बारे में जानकारी मुहैया कराने के लिए साथ मिलकर दिन-रात माथापच्ची कर रहे हैं।

क्या है कोरोनावायरस?



विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, कोरोनावायरस या CoV वायरसजनित बीमारियों के एक बड़े परिवार का सदस्य है। इसमें सर्दी से लेकर सार्स-कोव (SARS-CoV) और मर्स कोव (MERS-CoV) जैसी बीमारियां शामिल हैं। लेकिन यह तय है कि एकदम नए किस्म के कोरोनावायरस या nCoV की पहले कभी मानव मात्र तक पहुंच नहीं रही है।

कोरोनावायरस जूनोटिक (पशुओं से संबंधित) हैं। ये पशुओं के जरिये मानव तक पहुंचते हैं। हालिया शोध बताते हैं कि सार्स-कोव (SARS-CoV) सीवित कैट (गंध बिलाव) के ज़रिये मनुष्यों में आया, जबकि मर्स कोव (MERS-CoV) कूबड़ वाले ऊंटों के जरिये पहुंचा। कई और कोरोनावायरस पशुओं के बीच विचरण कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने अभी तक हमें संक्रमित नहीं किया है।

कोरोनावायरस के सामान्य लक्षण क्या हैं?

सामान्य लक्षणों में बुखार के साथ खांसी और कुछ मामलों में सांस लेने में तकलीफ शामिल है। उल्टी, मतली या दस्त जैसे लक्षण भी देखे जा रहे हैं। कई लोग आसानी से कुछ दिनों में ही ठीक हो जाते हैं। हालांकि, बुजुर्ग, बहुत युवा या कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली (इम्यून सिस्टम) वाले लोगों में निमोनिया या ब्रॉकाइटिस जैसे अधिक गंभीर संक्रमण विकसित हो सकते हैं।



क्या एंटीबायोटिक्स से कोरोनावायरस रुक सकता है/ इलाज हो सकता है?

नहीं, एंटीबायोटिक्स, वायरस से मुकाबला नहीं कर सकते हैं। वे केवल बैक्टीरिया से लड़ सकते हैं। नया कोरोनावायरस, एक वायरस है और इसलिए, एंटीबायोटिक्स ना तो उसकी रोकथाम का एक साधन हो सकता है और ना ही इलाज। हालांकि, मरीज को अगर अस्पताल में भर्ती कराया जाता है, तो बैक्टीरिया जनित संक्रमण को रोकने के लिए एंटीबायोटिक्स दिया जा सकता है।

इसका इलाज कैसे किया जाता है?

वैज्ञानिक इस वायरस को समझने का प्रयास कर रहे हैं। फिलहाल कोरोनावायरस के लिए कोई अनुमोदित एंटीवायरल नहीं हैं। इस बीमारी से पीड़ित मरीजों की गहन देखभाल इकाई (आईसीयू) में विशेष, व्यापक देखभाल की जा सकती है, ताकि उनकी जान बचाई जा सके।



क्या घर पर पालतू जानवर कोरोनावायरस फैला सकते हैं?

अभी तक इस तरह का कोई प्रमाण नहीं मिला है कि कुत्ता या बिल्ली जैसे पालतू जानवर कोरोनावायरस फैला सकते हैं। हालांकि पालतू जानवरों को छूने के बाद अपना हाथ धोना अच्छी बात है। यह साल्मोनेला और ई.कोलाइ जैसे आम बैक्टीरिया से सुरक्षा प्रदान करता है, क्योंकि ये बीमारियां, पालतू जानवरों के ज़रिये मनुष्यों तक पहुंच सकती हैं।

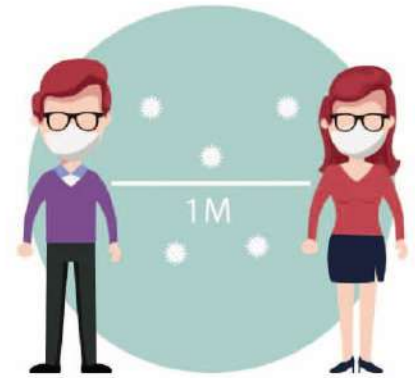
क्या आप इस वायरस की चपेट में आ सकते हैं ?

यदि आप किसी ऐसे व्यक्ति के संपर्क में नहीं हैं, जो कोरोनावायरस से पीड़ित है या फिर वह ऐसे हॉटस्पॉट से ताल्लुक रखता है, जिसके संक्रमित होने की आशंका है, तो आप सुरक्षित हैं।

हालांकि अभी तक हम यह नहीं समझ पाए हैं कि वायरस कैसे फैलता है। लेकिन जब कोरोनावायरस से संक्रमित कोई व्यक्ति खांसता या छींकता है तो उसके थूक के बेहद बारीक, कण हवा में फैलते हैं। इन कणों में कोरोनावायरस के विषाणु होते हैं। संक्रमित व्यक्ति के नज़दीक जाने पर ये विषाणुयुक्त कण सांस के रास्ते आपके शरीर में प्रवेश कर सकते हैं। अगर आप किसी ऐसी जगह को छूते हैं, जहां ये कण गिरे हैं और फिर उसके बाद उसी हाथ से अपनी आंख, नाक या मुंह को छूते हैं तो ये कण आपके शरीर में पहुंच जाते हैं। ऐसे में खांसते और छींकते वक्त टिश्यू का इस्तेमाल करना, बिना हाथ धोए अपने चेहरे को न छूना और संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से बचना, इस वायरस को फैलने से रोकने के लिए बेहद जरूरी है।

कोरोनावायरस सहित तमाम बीमारियां ना फैलें, इसके लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन ने जनता के लिए कुछ सिफारिशें की हैं।

- हैंड वॉश या साबुन और पानी से अपने हाथों को बार-बार साफ करें
- कोहनी मोड़कर या टिश्यू पेपर से मुंह और नाक को ढकें –टिश्यू पेपर को तुरंत फेंक दें और खांसने या छींकने के बाद अपने हाथों को धो लें
- बुखार और खांसी से पीड़ित किसी व्यक्ति के निकट संपर्क में ना रहें
- अगर आपको खांसी, बुखार और सांस लेने में परेशानी होती है, तो तत्काल डॉक्टर और स्वास्थ्य सेवा प्रदाता को अपनी पिछली यात्रा के बारे में बताएं
- कोरोनावायरस के हॉटस्पॉट के तौर पर चिह्नित क्षेत्रों का दौरा करते समय, जानवरों और उन सतहों के साथ असुरक्षित संपर्क से बचें, जो जानवरों के संपर्क में हैं
- कच्चे या अधपके पशु उत्पादों का सेवन ना करें
- बिना पके हुए खाद्य पदार्थों में दूध, कच्चा मांस या जानवरों के अंग सावधानी से मिलाएं



कोरोना वायरस के तेज़ी से प्रसार को देखते हुए विभिन्न देशों ने लॉकडाउन का ऐलान कर दिया है। रेल और हवाई यातायात के साथ सार्वजनिक परिवहन पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने के लिए अस्पताल, पुलिस और सफाई जैसी कुछ जरूरी सेवाओं को छोड़कर सभी सरकारी और गैर सरकारी संस्थानों को बंद कर दिया गया है। यहां तक कि बहुत ज़रूरी ना हो तो, लोगों के घर से बाहर निकलने तक पर पाबंदी लगा दी गई है। लोगों को मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया गया है।

